प्रार्थना

दया कर दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना ।
दया करना हमारी आत्मा में शुद्धता देना ।

हमारे ध्यान में आओ प्रभु आँखों में बस जाओ ।
अंधेरे दिल में आकर के परम ज्योति जगा देना ।

बहा दो प्रेम की गंगा दिलों में प्रेम का सागर ।
हमें आपस में मिलजुल कर प्रभु रहना सिखा देना ।

हमारा कर्म हो सेवा हमारा धर्म हो सेवा ।
सदा ईमान हो सेवा व सेवक चर बना देना ।

वतन के वास्ते जीना वतन के वास्ते मरना ।
वतन पर जाँ फिदा करना प्रभु हमको सिखा देना ।

दया कर दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना ।
दया करना हमारी आत्मा में शुद्धता देना ।

झण्डा गीत

भारत स्काउट गाइड झण्डा ऊँचा सदा रहेगा ।

ऊँचा सदा रहेगा झण्डा ऊँचा सदा रहेगा ।

नीला रंग गगन सा विस्तृत भ्रातृ भाव फैलाता ।

त्रिदल कमल नित तीन प्रतिज्ञाओं की याद दिलाता ।

और चक्र कहता है प्रतिपल आगे कदम बढ़ेगा ।

ऊँचा सदा रहेगा झण्डा ऊँचा सदा रहेगा ।

भारत स्काउट स्काउट गाइड झण्डा ऊँचा सदा रहेगा ।

ध्वज

कुछ परिभाषाएँ:

ध्वज-दंड (Flag Mast): वह खंभा जिस पर झंडा फहराया जाता है।

हेलियर्ड (Halyard): वह रस्सी जिससे झंडे को ऊपर या नीचे किया जाता है।

टॉगल (Toggle): फहराने वाले सिरे पर रस्सी से जुड़ा लकड़ी का एक छोटा टुकड़ा, जो झंडे को सही ढंग से फहराने के लिए हेलियर्ड के लूप में फँसाया जाता है।

हेम या सेम (Hem or Sem): झंडे के फहराने वाले हिस्से का मुड़ा और सिला हुआ भाग, जिसके भीतर से झंडे की रस्सी गुजरती है।

होइस्ट: ध्वज का वह भाग जो ध्वजदंड के सबसे निकट होता है। इसी से ध्वज फहराया या उतारा जाता है।

फ्लाई: ध्वज का वह भाग जो ध्वजदंड से दूर होता है। वास्तव में यही भाग उड़ता हुआ प्रतीत होता है।

क्लीट: ध्वजदंड पर कंधे की ऊँचाई के आसपास लगा लकड़ी या धातु का एक छोटा टुकड़ा, जिससे हेलियार्ड बंधा होता है।

विश्व स्काउट ध्वज:

विश्व स्काउट ध्वज में सफेद रंग का विश्व स्काउट बैज होता है, जो एक सफेद डोरी से घिरा होता है, जिसके सिरे रीफ गाँठ से बंधे होते हैं। यह बैंगनी पृष्ठभूमि पर बना होता है। ध्वज का आकार 3:2 के अनुपात में होता है। बैंगनी अंतर्राष्ट्रीय रंग है और स्काउटिंग की सेवा-उन्मुख प्रकृति का प्रतीक है। गाँठ स्काउट बंधुत्व का प्रतीक है। ध्वज को 1951 में लिस्बन में आयोजित 18वें विश्व सम्मेलन में अनुमोदित किया गया था।

भारत स्काउट एवं गाइड ध्वज:

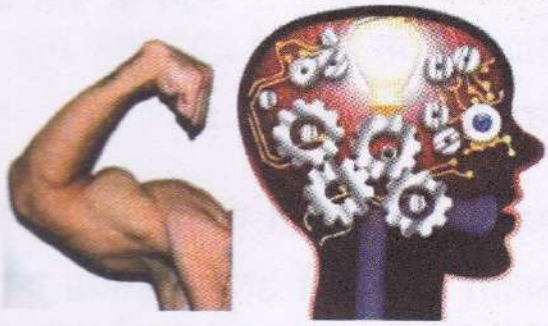
भारत स्काउट एवं गाइड ध्वज गहरे नीले रंग का होता है। ध्वज के मध्य में पीले रंग का प्रतीक चिन्ह और नीले रंग का अशोक चक्र होगा। एसोसिएशन के ध्वज की लंबाई 180 सेमी और चौड़ाई 120 सेमी होगी।

हमारे आधार-भूत तत्वः

परिभाषा

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स नवयुवकों के लिए एक स्वयं सेवी, गैर सरकारी, शैक्षिक आन्दोलन है जो किसी मूल, जाति और वंश के भेदभाव से मुक्त प्रत्येक व्यक्ति के लिये खुला है। यह 1907 में संस्थापक लार्ड बैडन पॉवल द्वारा संकल्पित किये गये लक्ष्य, सिद्धान्त तथा पद्धति के अनुरूप है।

स्काउटिंग/गाइडिंग का स्वयंसेवी चरित्र इस बात पर जोर देता है कि इससे जुड़े हुए सदस्य इसके मूल तत्व को स्वेच्छा से स्वीकार करते है।



उद्देश्य

आन्दोलन का उद्देश्य नवयुवकों के विकास में इस तरह योगदान करना है, जिससे उनकी पूर्ण शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक तथा आध्यात्मिक अन्तः शक्तियों की प्राप्ति हो, ताकि वे व्यक्तिगत रूप से, जिम्मेदार नागरिकों के रूप में तथा स्थानीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय समुदायों के सदस्यों के रूप में उपयोगी सिद्ध हो सकें।

यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि स्काउटिंग/गाइडिंग का मुख्य ध्येय एक जिम्मेदार नागरिक होना हैं जिसे विस्तृत सन्दर्भ में समझना चाहिए।

एक व्यक्ति सर्वप्रथम अपने आप में एक इकाई है। यह व्यक्ति अपने समाज जो कि राजनैतिक संरचना का हिस्सा है जिसका मतलब है सार्वभौमिक राज्य अथवा देश। एक जिम्मेदार नागरिक को अपने समाज के प्रति अधिकार और जिम्मेदारियों से परिचित होना चाहिए।

सिद्धान्त

सिद्धान्त वो मौलिक कानून एवं विश्वास है जिन्हें उद्देश्य को प्राप्त करते समय ध्यान में रखना चाहिए। ये वो आचार संहिता है जो आन्दोलन के सभी सदस्यों की विशेषता को दर्शाती है।



स्काउटिंग/गाइडिंग तीन सिद्धान्तों पर आधारित है जो इसके मौलिक नियमों एवम् विश्वास को दर्शाते है। वे इस प्रकार हैं:

"ईश्वर के प्रति कर्त्तव्य"

"दूसरों के प्रति कर्त्तव्य" एवं

"स्वयं के प्रति कर्त्तव्य"

ईश्वर के प्रति कर्त्तव्य :

आध्यात्मिक सिद्धान्तों के प्रति दृढ़ता, इन्हें अभिव्यक्त करने वाले धर्म के प्रति वफादारी तथा इनसे उत्पन्न कर्त्तव्यों को स्वीकार करना।

दूसरों के प्रति कर्त्तव्य :



स्थानीय, राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर शांति, समझ और सहयोग की भावना से समन्वय रखते हुए अपने देश के प्रति वफादारी।

अपने साथियों की गरिमा तथा विश्व प्रकृति की अखंडता के प्रति अभिज्ञान तथा सम्मान के साथ समाज के विकास में भागीदारी।

हमारी देशभक्ति व्यापक, महान प्रकार की होनी चाहिए जो दूसरों के दावों में न्याय और औचित्य को मान्यता देती है और जो देश को विश्व के अन्य देशों के साथ सहयोग करने की ओर ले जाती हैं।

इस क्षेत्र में पहला कदम हमारी अपनी सीमाओं के अन्दर शांति एवं सद्भाव विकसित करने के लिए हैं दोनो लिंगों के हमारे युवाओं को उनके जीवन की आदत के रूप में अपने अभ्यास के लिए प्रशिक्षण द्वारा तैयार करें जिससे शहर के खिलाफ, शहर की ईर्ष्या, वर्ग के खिलाफ, वर्ग की ईर्ष्या आदि न रहे तथा इस अच्छी भावना का विस्तार हमारे पड़ोसियों तक हो सके।

स्वयं के प्रति कर्त्तव्य :

स्वयं के विकास के लिये उत्तरादायित्व।

एक व्यक्ति को अपनी क्षमताओं के विकास की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। यह स्काउट आन्दोलन के शैक्षिक उददे्श्य के साथ पूरी तरह से सद्भाव में है जिसका उददे्श्य क्षमताओं के पूर्व विकास में युवा व्यक्ति की सहायता करना एक ऐसी प्रक्रिया है जिसे व्यक्तित्व का अनसुलझा भाग कहा जाता है। इस संदर्भ में प्रतिज्ञा व नियम की भूमिका अत्यंत मौलिक है।

पद्धति

स्काउट/गाइड पद्धति, निम्न पर आधारित आत्म-शिक्षा की एक प्रगतिशील प्रणाली है :

- प्रतिज्ञा तथा नियम।
- स्वयं करके सीखना।
- वयस्क नेतृत्व में छोटे समूहों की सदस्यता जिसमें उत्तरोत्तर अन्वेषण निहित हो तथा चारित्रिक विकास, क्षमता प्राप्ति, आत्मविश्वास, विश्वसनीयता तथा नेतृत्व करने एवं सहयोग करने की योग्यता की दिशा में प्रशिक्षण एवं स्व-शासन के प्रति सम्मान एवं उत्तरदायित्व की स्वीकृति हो।
- प्रतिभागियों की रूचियों पर आधारित विभिन्न गतिविधियों के प्रगतिशील तथा प्रेरक कार्यक्रम जिनके अन्तर्गत खेल, उपयोगी कौशल तथा सामुदायिक सेवा हैं जो ज्यादातर बाह्य वातावरण में प्रकृति के सम्पर्क में हों।

प्रतिज्ञा और नियम

स्काउट विंग

कब प्रतिज्ञा

मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि मैं ईश्वर
और अपने देश के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करुँगा।
कब नियम का पालन करुँगा, तथा
प्रतिदिन भलाई का एक कार्य करुँगा।

स्काउट और रोवर प्रतिज्ञा

मैं मर्यादापूर्वक प्रतिज्ञा करता हूँ कि मैं यथाशक्ति ईश्वर
और अपने देश के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करुँगा
दूसरों की सहायता करुँगा और स्काउट नियम का पालन करुँगा।

कृपया ध्यान दें:

- अगर आवश्यकता हो तो "धर्म" शब्द को ईश्वर शब्द के स्थान पर प्रतिस्थापित किया जा सकता है।
- "दीक्षा संस्कार" के अवसर पर प्रतिज्ञा ली जानी है और एक रोवर जो पहले से एक स्काउट हैं प्रतिज्ञा दोहराता है।

कब नियम

(1) कब आज्ञाकारी होता है।
(2) कब स्वच्छ और विनम्र होता है।

स्काउट नियम

(1) स्काउट विश्वसनीय होता है।
(2) स्काउट वफादार होता है।
(3) स्काउट सबका मित्र एवं प्रत्येक दूसरे स्काउट का भाई होता है।
(4) स्काउट विनम्र होता है।
(5) स्काउट पशु पक्षियों का मित्र और प्रकृति प्रेमी होता है।
(6) स्काउट अनुशासनशील होता है और सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करने में सहायता करता है।
(7) स्काउट साहसी होता है।
(8) स्काउट मितव्ययी होता है।
(9) स्काउट मन, वचन और कर्म से शुरु होता है।

बुलबुल प्रतिज्ञा

मैं प्रतिज्ञा करती हूँ कि मैं ईश्वर और
अपने देश के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करुँगी।
बुलबुल नियम का पालन करुँगी, तथा
प्रतिदिन भलाई का एक कार्य करुँगी।

गाइड और रैंजर प्रतिज्ञा

मैं मर्यादापूर्वक प्रतिज्ञा करती हूँ कि मैं यथाशक्ति ईश्वर
और अपने देश के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करुँगी
दूसरों की सहायता करुँगी, और गाइड नियम का पालन करुँगी।

कृपया ध्यान दें:

- अगर आवश्यकता हो तो "धर्म" शब्द को ईश्वर शब्द के स्थान पर प्रतिस्थापित किया जा सकता है।
- "दीक्षा संस्कार" के अवसर पर प्रतिज्ञा ली जानी है और एक रेंजर जो पहले से एक गाइड हैं प्रतिज्ञा दोहराती है।

बुलबुल नियम

(1) बुलबुल आज्ञाकारी होती है।
(2) बुलबुल स्वच्छ और विनम्र होती है।

गाइड नियम

(1) गाइड विश्वसनीय होती है।
(2) गाइड वफादार होती है।
(3) गाइड सबकी मित्र एवं प्रत्येक दूसरी गाइड की बहन होती है।
(4) गाइड विनम्र होती है।
(5) गाइड पशु पक्षियों की मित्र और प्रकृति प्रेमी होती है।
(6) गाइड अनुशासनशील होती है और सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करने में सहायता करती है।
(7) गाइड साहसी होती है।
(8) गाइड मितव्ययी होती है।
(9) गाइड मन, वचन और कर्म से शुरु होती है।